विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग दशम्(ब+स)

पाठ्य सहगामी अभिक्रिया

बच्चों , मां दुर्गा की असीम अनुकंपा से कोरोना काल में भी समस्त विद्यालय परिवार अभी तक स्वस्थ एवं सुरक्षित है । जीवन का या संग्राम काल के समक्ष डटकर मुकाबला करना बिना शक्ति के संभव नहीं है । यह नवरात्र किसी धर्म विशेष का परिचायक ना होकर शक्ति के नौ रूपों की आराधना का उत्सव है।

शक्ति के बिना जीवन की कल्पना संभव ही नहीं है । जीवन का प्रादुर्भाव शिव और शक्ति के सहयोग से ही संभव हो सका है तो

परमात्मा के श्रेष्ठ संतान होने के कारण हमारा कर्तव्य और संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी बनती है कि शक्ति उपार्जन हेतु समस्त उपाय को करें । लेकिन एक बात और विचार नहीं है कि शक्ति बिना विवेक के संतुलित नहीं हो सकती । इसलिए शक्ति और विवेक में समन्वय स्थापित करने के लिए पूजा -अर्चना ,आराधना एवं उपासना की जरूरत होती है । यह समन्वय ही मानव जीवन का अध्यात्म और प्रगतिशील संसार का विज्ञान है ।

बच्चों, मैंने इसलिए आपको कोई परंपरागत दुर्गा पूजा स्पेशल कहानी समझाने का प्रयास ना करके अपनी तरफ से दुर्गा पूजा की महत्ता को स्पष्ट करने का प्रयास किया है ताकि 9 दिन के मूल में छिपे अर्थ तर्क को

संतुष्ट करें और अपने धर्म अपनी परंपरा और अपनी संस्कृति और अविश्वास न करें । क्योंकि अविश्वास ही हमारे पतन का मूल कारण है । । तो विश्वासी बने और उन्नति करें । ।

जीवन के हर क्षेत्र में विजयी होने की शुभकामनाएं 👍👍👍👍